दौरा

विशेषज्ञों की टीम ने परखीं सुविधाएं, दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं का बारीकी से किया अवलोकन, बीजाडांडी स्वास्थ्य टीम की सराहना की

अस्पताल के वार्डों से लेकर लैब तक का हुआ गहन निरीक्षण

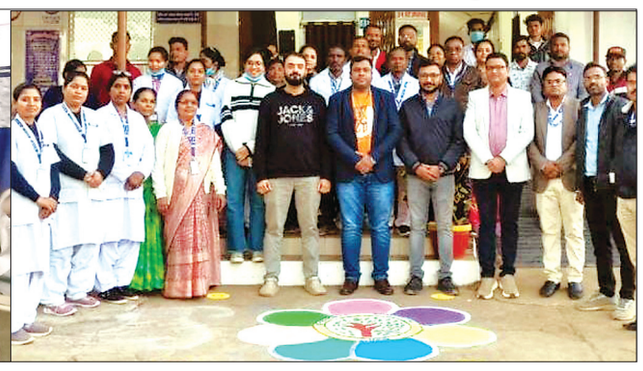

बीजाडांडी 7 जनवरी नभाप्र. सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में गुणवत्ता को देखते हुए भारत सरकार ने उच्च स्तर की स्वच्छता प्रदर्शित करने वाली सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को कायाकल्प पुरस्कार देने की पहल की है। जिससे सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों में आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके। इसी उद्देश्य से बीजाडांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में कायाकल्प पीयर असेसमेंट किया गया।

जानकारी अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बीजाडांडी का कायाकल्प अभियान के तहत पियर असेसमेंट असेसर डॉ. अरूणेन्द्र मूर्ति गौतम और डॉ. मनोज उरेती द्वारा किया गया। पीयर असेसमेंट असेसर ने जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बीजाडांडी के समस्त वार्ड, विभागों का गंभीरता से गहन निरीक्षण कर मूल्यांकन किया। जिसमें कायाकल्प के मापदंडों के अनुरूप संक्रमण नियंत्रण एवं जैव अपशिष्ट प्रबंधन, मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, दवा स्टोर रूम, संबंधित रिकार्ड की जानकारी को गंभीरता से अवलोकन किया।

बताया गया कि सीएचसी बीजाडांडी और जिला अस्पताल में कायाकल्प पियर असेसमेंट के दौरान अस्पताल परिसर, अस्पताल के ओपीडी, आईपीडी, दवा वितरण केन्द्र, पैथोलॉजी, ओटी, लेवर रूम, सफाई कक्ष, एनआरसी, एक्सीडेंटल इमरजेंसी के साथ विभिन्न वार्ड, विभाग का मूल्यांकन किया गया एवं सुधारात्मक सुझाव दिए गए। सीएचसी बीजाडांडी में मूल्यांकन के दौरान असेसर डॉ. अरूणेन्द्र मूर्ति गौतम और डॉ. मनोज उरेती, बीएमओ डॉ. अभयकीर्ति गजभीये, डीक्यूएम मंडला शरद मेश्राम, एमओ डॉ. अक्षय हरदहा, डॉ. दिनेश गौर, बीईई सुहागा झारिया, बीपीएम तपन गजभीये, एमपीडब्ल्यू राकेश कुमार विश्वकर्मा, सुपरवाईजर कमलेश मरावी, बीसीएम राहुल चंद्रौल, फार्मासिस्ट नितिन साहू, रविशंकर दुबे, नर्सिंग ऑफीसर मीना तिवारी, रश्मि परस्ते, कविता बघेल, मीनाक्षी चिचखेड़े, राशि उइके, साध्वी पटेल, नेहा सोनी, ज्योति यादव, रेवती मार्को, तरूण संत, धनेश, भगवानदास, सोनू, नेहा समेत स्टाफ मौजूद रहे।

सफाई कक्ष की सराहना

कायाकल्प के पियर असेसमेंट में लेब कक्ष का निरीक्षण किया गया। असेसर डॉ. अरूणेन्द्र मूर्ति गौतम और डॉ. मनोज उरेती ने लैब की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए लैब कर्मचारियों से लैब के संबंध में विस्तार से जानकारी ली और रिकार्ड की जांच की। इसके साथ ही लेब टेक्निशियनों से लैब में होने वाले कार्यो का प्रैक्टिकल भी कराकर देखा। असेसमेंट के दौरान असेसर द्वारा विभिन्न वार्डो का अवलोकन करते हुए सफाई कक्ष पहुंचे। जहां उन्होंने सफाई कक्ष में उन्हें अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों से बेहतर व्यवस्थित कक्ष मिला। जिसकी सराहना की। इसके साथ ही इससे संबंधित कुछ सुझाव भी दिए।

नर्सिंग आफीसर से ली कार्य की जानकारी

सीएचसी बीजाडांडी के कायाकल्प के पियर असेसमेंट कर रहे असेसर डॉ. अरूणेन्द्र मूर्ति गौतम और डॉ. मनोज उरेती ने ड्यूटी में तैनात नर्सिंग ऑफीसर से ऑक्सीजन कंस्टेटर के रखरखाव के बारे में जाना। जिसमें नर्सिंग ऑफीसर ने बताया कि ऑक्सीजन कंस्टेटर के रखरखाव की जानकारी बताई। इसके साथ ही असेसर ने फाईव स्टेंर्डड ऑफ प्रोकॉशन की जानकारी नर्सिंग ऑफीसर से पूछी। जिसमें उन्होंने बताया कि हैंड हाईजीन, यूज ऑफ पीपीई, रेस्पीरेटरी हाईजीन, सेफ इंजेक्शन प्रेक्टीसेव, डिस्इंफेक्शन इन क्लीनिंग एवं वेस्ट मैनेजमेंट के बारे में बताया।

भए प्रगट कृपाला के जयकारों से गूंजा समूचा क्षेत्र

देवरी में श्रीमद् भागवत कथा की धूम, राम जन्म के प्रसंग पर भक्ति में डूबे श्रद्धालु

नारायणगंज 7 जनवरी नभाप्र. आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र नारायणगंज के ग्राम देवरी में इन दिनों आध्यात्मिक उत्सव का माहौल है। समस्त ग्रामवासियों और महिला मंडल के विशेष सहयोग से आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ में भक्ति और आस्था की अविरल धारा बह रही है। इस आयोजन ने पूरे गांव को भक्तिमय कर दिया है, जहाँ सुबह से लेकर शाम तक केवल श्री हरि के जयकारे और शंख ध्वनि सुनाई दे रही है।

कथा के तीसरे दिन कथा व्यास पंडित कृष्णगोपाल पाण्डेय ने अपनी ओजस्वी वाणी से भगवान के विभिन्न अवतारों की महिमा का बखान किया। उन्होंने अत्यंत मार्मिक ढंग से नरसिंह भगवान के प्राकट्य और हिरण्यकश्यप वध के प्रसंग को सुनाया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इसके बाद वामन भगवान और राजा बलि के प्रसंग के माध्यम से अहंकार त्याग और दान के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

भक्तिमय हुआ पूरा वातावरण

भव्य आरती के साथ समापन कथा का मुख्य आकर्षण श्री राम जन्म का प्रसंग रहा। जैसे ही व्यासपीठ से भगवान राम के जन्म की कथा शुरू हुई पूरा पंडाल भए प्रगट कृपाला, दीनदयाला के जयघोष से गूंज उठा। इस दौरान फूलों की वर्षा की गई और श्रद्धालुओं ने भक्ति में मग्न होकर नृत्य किया। तीसरे दिन की कथा का समापन महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

सामूहिक सहयोग की अनूठी मिसाल

ग्राम देवरी का यह आयोजन सामाजिक समरसता और सामूहिक सहयोग की अनूठी मिसाल पेश कर रहा है। महिला मंडल की सक्रिय भागीदारी और ग्रामवासियों के प्रबंधन के कारण कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। कथा सुनने के लिए न केवल देवरी, बल्कि आसपास के अनेक ग्रामों से बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु पहुँच रहे हैं। पंडित कृष्णगोपाल पाण्डेय ने बताया कि भागवत कथा केवल श्रवण मात्र के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए है।

दैनिक वेतन भोगी और स्थाई कर्मियों ने खोला मोर्चा

नियमितीकरण और सातवें वेतनमान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

अंजनिया। मध्यप्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में पिछले 25 से 30 वर्षों से सेवाएं दे रहे दैनिक वेतन भोगी और स्थाई कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मप्र कार्यभारित दैनिक वेतन भोगी एवं स्थाई कर्मचारी श्रमिक महासंघ ने जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर नियमित कर्मचारियों के समान सुविधाएं देने की मांग की है।

श्रमिक महासंघ का कहना है कि 16 दिसंबर 2025 को हुई कैबिनेट बैठक और उपमुख्यमंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्थाई कर्मियों को नियमित के समान सुविधाएं देने का उल्लेख किया गया था, लेकिन वित्त विभाग द्वारा 22 दिसंबर 2025 को जारी परिपत्र में नियमितीकरण का कोई स्पष्ट जिक्र नहीं है। इससे प्रदेश के लाखों कर्मचारियों में भ्रम और असंतोष की स्थिति बनी हुई है। श्रमिक महासंघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम मंडला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि अकुशल और अर्ध-कुशल स्थाई कर्मियों को कार्यभारित के समान सातवां वेतनमान और कुशल स्थाई कर्मियों को कार्यभारित के समान लाभ दिया जाए। सेवाकाल के दौरान मृत्यु होने पर आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति की पात्रता मिले। स्थाई कर्मियों को अर्जित अवकाश और दैनिक वेतन भोगियों को यात्रा भत्ता प्रदान किया जाए। वन विकास निगम, नगर निगम, नगर पालिका और विश्वविद्यालयों सहित विभिन्न विभागों में कार्यरत मस्टर कर्मी और अंशकालिक कर्मचारियों को पूर्णकालिक करते हुए नियमित किया जाए। सभी श्रेणियों के श्रमिकों को आयुष्मान भारत निरामयम योजना का लाभ मिले। सेवानिवृत्त और वर्तमान दैनिक वेतन भोगी एवं स्थाई कर्मियों को ओल्ड पेंशन योजना का लाभ दिया जाए। कार्यभारित कर्मचारियों को अवकाश नकदीकरण की सुविधा मिले।

महासंघ की चेतावनी- महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष द्वारका प्रसाद, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश ठाकुर और जिला अध्यक्ष मनोज कुमार सौलंकी ने संयुक्त रूप से कहा कि श्रमिक पिछले तीन दशकों से अल्प वेतन पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वे भारतीय मजदूर संघ के शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता कर इन समस्याओं का तत्काल समाधान करें।

नारायणगंज में एक्सपायरी उत्पादों की हो रही खुलेआम बिक्री

प्रशासन की चुप्पी से ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर मंडराया संकट

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में धड़ल्ले से खपाया जा रहा अमानक सामान

नारायणगंज, नवभारत। तहसील मुख्यालय नारायणगंज और आसपास के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में इन दिनों उपभोक्ताओं की सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। क्षेत्र के सबसे बड़े बाजार हाट में खान-पान और दैनिक उपयोग की एक्सपायरी वस्तुएं धड़ल्ले से बेची जा रही हैं। शिक्षा और जागरूकता की कमी के चलते भोले-भाले ग्रामीण और किसान इन उत्पादों का शिकार हो रहे हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है।

बताया गया कि हाल ही में नगर में एक जागरूक उपभोक्ता की सतर्कता से व्यापारियों की मनमानी उजागर हुई है। एक व्यक्ति ने स्थानीय किराना दुकान से टूथपेस्ट खरीदा, जिसकी एक्सपायरी तिथि निकल चुकी थी। घर जाकर ध्यान देने पर उपभोक्ता ने तत्काल दुकानदार के पास पहुंचकर विरोध जताया और उत्पाद वापस कर वैध तिथि वाला सामान लिया। सूत्रों का कहना है कि ऐसी घटनाएं नगर में प्रतिदिन हो रही हैं, लेकिन जागरूक लोग ही इनका विरोध कर पा रहे हैं।

जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल

बाजार में खुलेआम बिक रहे एक्सपायरी उत्पादों ने खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रीय जनता का आरोप है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन केवल कागजों पर कर रहे हैं। बाजार में नियमित जांच और सैंपलिंग क्यों नहीं की जा रही। क्या व्यापारियों और अधिकारियों के बीच कोई गुप्त मिलीभगत है, जिसके कारण कार्रवाई से बचा जा रहा है।

आमजनों के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा

विशेषज्ञों का कहना है कि एक्सपायरी खाद्य सामग्री, दवाइयां या प्रसाधन सामग्री का उपयोग करने से त्वचा रोग, फूड पॉइजनिंग और अन्य गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण यहां के लोग अक्सर रैपर पर अंकित निर्माण और समाप्ति तिथि को नहीं पढ़ पाते, जिसका सीधा फायदा मुनाफाखोर व्यापारी उठा रहे हैं।

संबंधित विभाग से कार्रवाई की मांग

स्थानीय क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन सहित संबंधित जिम्मेदार विभागों से मांग की है कि नारायणगंज बाजार का आकस्मिक निरीक्षण किया जाए और एक्सपायरी सामान बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उपभोक्ताओं ने यह भी मांग की है कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया जाए जिससे लोग खरीदारी करते समय सतर्क रह सकें।

कलेक्टर की संवेदनशील पहल, कड़ाके की ठंड में नन्हे चेहरों पर लौटी मुस्कान

नारी विकास समिति के सहयोग से सकरी और बीजाडांडी के बच्चों को मिले गर्म कपड़े

बीजाडांडी, नवभारत। मंडला जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने एक बार फिर अपनी मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों का परिचय दिया है। ग्राम सकरी और बीजाडांडी क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को कड़ाके की ठंड से बचाने के लिए कलेक्टर ने स्वयं उपस्थित होकर गर्म कपड़े वितरित किए।

प्रशासन के इस संवेदनशील स्पर्श से न केवल मासूम बच्चों को ठंड से राहत मिली, बल्कि उनके चेहरों पर खिली मुस्कान ने पूरे वातावरण को खुशहाल बना दिया।

नन्हे बच्चों को मिला कलेक्टर का दुलार

ग्राम सकरी में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आंगनबाड़ी के बच्चों को स्वेटर और पेंट प्रदान किए। इस दौरान एक भावुक पल तब दिखा जब कलेक्टर ने एक छोटी बच्ची को अपनी गोद में लेकर दुलार किया। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की जानकारी भी ली। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले का कोई भी बच्चा ठंड जैसी प्राकृतिक कठिनाइयों से प्रभावित न हो। यह जनकल्याणकारी कार्य नारी विकास समिति के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ। समिति द्वारा बच्चों के साथ क्षेत्र के जरूरतमंद बुजुर्गों को भी कंबल वितरित किए गए। कलेक्टर ने समिति के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे समाजोपयोगी कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखते हैं। उन्होंने अन्य स्वयंसेवी संगठनों और जागरूक नागरिकों से भी अपील की कि वे समाज सेवा की भावना के साथ आगे आएं।

हर आंगनबाड़ी तक पहुंचे ऐसी पहल

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कार्यक्रम के दौरान अपेक्षा व्यक्त की है कि ऐसी संवेदनशील पहल हर गांव और हर आंगनबाड़ी केंद्र तक पहुँचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में सहयोग, करुणा और जिम्मेदारी का संदेश प्रसारित करना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, जनपद पंचायत सीईओ श्रीमती प्रतिमा शुक्ला, नारी विकास समिति की सचिव श्रीमती अर्चना जैन सहित समिति के सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

नर्मदातट व कन्या शाला मार्ग पर मांस एवं मदिरा विक्रय से बिगड़ रहा माहौल

डिंडोरी,नवभारत 7 जनवरी। नगर परिषद क्षेत्रांतर्गत मां नर्मदा के पवित्र तट से लगे क्षेत्रों रानी अवंती बाई चौक से नर्मदा मंदिर तक तथा कृषि उपज मंडी स्थित सब्जी मंडी के सामने कन्या शाला मार्ग पर खुलेआम मांस एवं मदिरा के विक्रय ने श्रद्धालुओं और आम नागरिकों की परेशानी बढ़ा दी है।

आस्था, संस्कृति और सामाजिक मर्यादाओं से जुड़े इस मार्ग पर इस प्रकार की गतिविधियों से न सिर्फ धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं, बल्कि सार्वजनिक शांति और स्वच्छता पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह मार्ग मां नर्मदा दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं, कन्या शाला में अध्ययनरत छात्राओं, महिलाओं और बुजुर्गों की नियमित आवाजाही का प्रमुख रास्ता है। ऐसे में मांस-मदिरा की दुकानों से होने वाला शोर-शराबा, गंदगी और असामाजिक गतिविधियां भय और असहजता का वातावरण पैदा कर रही हैं। श्रद्धालु इसे पवित्र स्थल की गरिमा के प्रतिकूल मान रहे हैं।सब्जी मंडी और आसपास के व्यापारियों ने भी इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र की छवि धूमिल हो रही

लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए आज भी तरस रहे क्षेत्रवासी, रेल सुविधाओं के नाम पर सन्नाटा

आज भी सुसज्जित स्टेशन के साथ एक्सप्रेस ट्रेनों का अभाव

नैनपुर, नवभारत। जिले के नाम परिवर्तन को लेकर हाल ही में जिस तरह का व्यापक और संगठित विरोध सड़कों पर देखने को मिला, उसने जिले की राजनीतिक चेतना को तो उजागर कर दिया है, लेकिन इसी के साथ एक गंभीर सवाल भी खड़ा कर दिया है। सवाल यह है कि क्या मंडला की लड़ाई और एकजुटता सिर्फ प्रतीकात्मक नामों तक सीमित रह गई है? स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का मानना है कि यदि ऐसी ही ऊर्जा वर्षों से लंबित रेल सुविधाओं के लिए दिखाई जाती, तो आज जिले की तस्वीर कुछ और होती।

बताया गया कि विडंबना यह है कि मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन आज भी लंबी दूरी की नियमित एक्सप्रेस ट्रेनों से वंचित है। यात्रियों को लंबी यात्रा के लिए आज भी जबलपुर या नैनपुर जैसे स्टेशनों पर निर्भर रहना पड़ता है। यह स्थिति तब और अधिक पीड़ादायक हो जाती है जब मंडला जैसे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आदिवासी बाहुल्य जिले को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं।

क्षेत्र सहित जिले के विकास की मांग

क्षेत्रीयवासियों का कहना है कि प्रशासन और सरकार को जगाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। क्षेत्रवासियों ने दो प्रमुख सुझाव रखे हैं। जिसमें मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन का नाम वीरांगना रानी दुर्गावती के नाम पर रखा जाए, जिससे गोंडवाना के गौरवशाली इतिहास को सम्मान मिले। इसके साथ ही मंडला फोर्ट से गोंडवाना एक्सप्रेस जैसी स्थायी और प्रतीकात्मक ट्रेन सेवा शुरू की जाए, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी और पहचान दोनों मजबूत हों।

विकास के असल सवालों पर जवाब चाहती है जनता

क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि रेल नेटवर्क के विस्तार की फाइलें वर्षों से दफ्तरों में घूम रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस पहल नहीं हुई।

अब जनता के बीच यह बहस छिड़ गई है कि क्या जिले की राजनीति केवल भावनात्मक मुद्दों तक सिमटी रहेगी? अब समय आ गया है कि सरकार और जनप्रतिनिधि केवल नामों पर नहीं, बल्कि मंडला की बुनियादी जरूरतों रेल, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी ठोस जवाब दें। जनता चाहती है कि विकास के इन असल मुद्दों पर भी वैसी ही एकजुटता दिखाई जाए जैसी हालिया विरोध प्रदर्शनों में देखी गई थी।

इनका कहना है

बिलासपुर मंडला जबलपुर और पेंड्रा अमरकंटक डिंडौरी मंडला घंसौर लखनादौन गोटेगांव नरसिंहपुर नई रेल लाइन को प्राथमिकता के साथ बजट में शामिल किया जाए।

चंद्रमोहन सराफ, रेल्वे संघर्ष समिति मंडला

रेलवे सरकार ने देशभर में 5 वर्षों के भीतर टर्मिनल स्टेशनों के विस्तार और विकास का लक्ष्य तय किया है। यदि मंडला फोर्ट को टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित कर, वहां कोचिंग डिपो का निर्माण किया जाता है, नई ट्रेनों की शुरुआत, समयपालन, कोच मेंटेनेंस और यात्री सुविधाएं अपने-आप मिलेंगी।

नितिन सोलंकी, आम नागरिक मंडला

मंडला फोर्ट में कैंटीन की सुविधा जल्द से जल्द हो, इसके साथ ही एक यात्रियों की सुरक्षा की दृष्टि से मंडला रेल्वे स्टेशन में पुलिस चौकी का निर्माण किया जाना चाहिए जिससे रात्रि में असामाजिक तत्व न रहे और यात्री सुरक्षित रहे।

राम गोपाल यादव, व्यापारी

मंडला फोर्ट रेल्वे स्टेशन सुसज्जित तो हो गया है मगर अभी भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है । रेल्वे प्रशासन स्टेशन में मूलभूत सुविधाओं में जल्द सुधार करे।

मुकेश कछवाहा, आम नागरिक

मंडला जिले की कनेक्टिविटी दूसरे जिले प्रदेशों से होना चाहिए, खासतौर से बिलासपुर मंडला जबलपुर, गौरेला पेंड्रा, शहडोल, डिंडोरी, मंडला, गोटेगांव ये सीधी ट्रेन चालू होना चाहिए।

राजा यादव, जिला युवा अध्यक्ष यादव समाज मंडला

मंडला फोर्ट में नवीन रेलमार्ग लंबी दूरी की ट्रेन चलने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, चिकित्सा सेवाओं का फायदा होगा। पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए राजनीति भूलकर सभी को एकजुट होना पड़ेगा।

अखिलेश सोनी, समाजसेवी